# Shri Arya Ashtakam

# श्री आर्याष्टकम्

## Document Information

Text title : Shri Arya Ashtakam 08 04

File name : AryAShTakam.itx

Category : devii, devI, aShTaka

Location : doc_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 08-04

Latest update : August 15, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 28, 2023

*sanskritdocuments.org*

# श्री आर्याष्टकम्

करस्थकदलीचूतपनसेष्टकमोदकम् ।
बालसूर्यप्रतीकाशं वन्दे बालगणाधिपम् ॥ १॥

आर्यां कात्यायनीं देवीमभीष्टफलदायिनीम् ।
देहि विद्यां महादेवि नमामि त्वां महेश्वरीम् ॥ २॥

महादेवप्रियां कालीं महायोगेश्वरेश्वरीम् ।
महालक्ष्मीं शिवां गौरीं देहि विद्यां महेश्वरि ॥ ३॥

उमां हैमवतीं शुभ्रां कोमलाङ्गीं शुभप्रियाम् ।
नमामि शुभ्रवक्त्रां त्वां देहि विद्यां शिवप्रिये ॥ ४॥

पद्महस्तां सहस्राक्षीं सहस्रानललोचनाम् ।
नौमि दुर्गां भगवतीं देहि विद्यां सुरेश्वरि ॥ ५॥

पद्ममन्दिरमध्यस्थां योगिवृन्दैर्निषेविताम् ।
नौमि विश्वमयीं वाणीं देहि विद्यां सुलोचने ॥ ६॥

लक्ष्मीं क्षमां शिवां धात्रीं कल्याणगुणवर्धनीम् ।
वन्दे त्वां प्रणतार्तिघ्नीं देहि विद्यां सुरेश्वरि ॥ ७॥

विधिरूपां हंसवाहां ब्रह्मध्यानपरायणाम् ।
वरदाभयकरां विद्यां देहि (त्वं) परमेश्वरि ॥ ८॥

चारुप्रसन्नमदनां चन्द्रशेखरवल्लभाम् ।
विद्यां देहि महामाये वन्दे त्वां वृषवाहिनीम् ॥ ९॥

आर्याष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् सततं नरः ।
महादेवीप्रसादेन षण्मासात स कविर्भवेत् ॥ १०॥

इति श्री आर्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

*Shri Arya Ashtakam*

pdf was typeset on June 28, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*